भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA) - 'मेक इन इंडिया' को नई गति

UPSC प्रासंगिकता - प्रारम्भिक परीक्षा: भारतीय अर्थव्यवस्था, सरकारी योजनाएँ और पहल, समसामयिक घटनाएँ
मुख्य परीक्षा - GS पेपर II: सरकारी नीतियां और विभिन्न क्षेत्र, GS पेपर III: भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाना, प्रगति और विकास

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'भारत औद्योगिक विकास योजना' (BHAVYA) को मंजूरी दी है। इस योजना के अंतर्गत 33,660 करोड़ रुपये के निवेश से देश भर में 100 'प्लग-एंड-प्ले' (Plug-and-play) औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा। यह कदम भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

पृष्ठभूमि:

- भारत में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में सबसे बड़ी बाधा भूमि अधिग्रहण, बुनियादी ढांचा तैयार करने में लगने वाला समय और विनियामक मंजूरियों में देरी रही है।
- पारंपरिक रूप से, एक निवेशक को जमीन लेने के बाद बिजली, पानी, सड़क और अन्य सुविधाओं के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था।
- इस समस्या के समाधान के रूप में 'प्लग-एंड-प्ले' अवधारणा और पीएम गतिशक्ति के एकीकृत ढांचे को लाया गया है, ताकि निवेश से उत्पादन तक के समय (Lead Time) को न्यूनतम किया जा सके।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु:

1. 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल का अर्थ और लाभ

'प्लग-एंड-प्ले' का अर्थ है ऐसा औद्योगिक बुनियादी ढांचा जो पूरी तरह से तैयार (Ready-to-use) हो।

- निवेशक को केवल अपनी मशीनरी लानी है और उत्पादन शुरू करना है। सड़क, बिजली, पानी, अपशिष्ट प्रबंधन और कनेक्टिविटी जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं सरकार पहले से तैयार करके देगी।
- यह मॉडल विशेष रूप से एमएसएमई (MSMEs) और विदेशी निवेशकों के लिए अत्यधिक आकर्षक है, क्योंकि यह प्रारंभिक पूंजीगत व्यय और अनिश्चितता को कम करता है।

2. पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण

ये 100 औद्योगिक पार्क पीएम गतिशक्ति के राष्ट्रीय मास्टर प्लान से जुड़े होंगे।

- **मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी:** पीएम गतिशक्ति के साथ जुड़ने से ये औद्योगिक पार्क केवल सड़क मार्ग तक सीमित नहीं रहेंगे। इन्हें रेलवे लाइनों, नजदीकी बंदरगाहों और हवाई अड्डों से डिजिटल मास्टर प्लान के जरिए जोड़ा जाएगा।
- **रसद लागत में कमी:** भारत की वर्तमान रसद लागत जीडीपी का लगभग 13-14% है। पीएम गतिशक्ति के माध्यम से 'लास्ट-माइल' (अंतिम छोर) कनेक्टिविटी सुनिश्चित होने से अनावश्यक परिवहन देरी कम होगी, जिससे उत्पादों की लागत प्रतिस्पर्धी बनेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

3. योजना की संरचना और कार्यान्वयन

- **अवधि और चरण:** योजना 2026-27 से शुरू होकर 6 वर्षों तक चलेगी। प्रथम चरण में 50 पार्कों को विकसित किया जाएगा।
- **भूमि मानक:** सामान्य राज्यों में न्यूनतम 100 एकड़ और उत्तर-पूर्वी/पहाड़ी राज्यों में 25 एकड़ भूमि अनिवार्य है। अधिकतम सीमा 1,000 एकड़ रखी गई है, जो बड़े पैमाने के उद्योगों (Scale of Economies) को बढ़ावा देगी।
- **वित्तीय सहायता:** केंद्र सरकार प्रति एकड़ 1 करोड़ रुपये तक की सहायता प्रदान करेगी, जिससे राज्यों पर वित्तीय बोझ कम होगा।

4. सहकारी संघवाद और निजी क्षेत्र की भूमिका

भव्य (BHAVYA) योजना केवल केंद्र की योजना नहीं है, बल्कि यह केंद्र-राज्य-निजी क्षेत्र के सहयोग का एक मॉडल है।

- **डिम्यूचुअलाइजेशन:** राज्यों को निवेशक-अनुकूल सुधार करने होंगे और सिंगल-विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाना होगा। निजी क्षेत्र को इन पार्कों के प्रबंधन और संचालन में शामिल किया जाएगा, ताकि पेशेवर दक्षता सुनिश्चित हो सके।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

5. आर्थिक प्रभाव और उत्पादकता

सरकार का मानना है कि ये पार्क औद्योगिक बुनियादी ढांचे में नए मानक स्थापित करेंगे।

- **अक्षमताओं में कमी:** एकीकृत बुनियादी ढांचे से बिजली और परिवहन की बर्बादी कम होगी।
- **रोजगार सृजन:** 100 औद्योगिक पार्कों के निर्माण और उनके संचालन से लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की संभावना है।

6. डेटा-आधारित योजना और साझा संसाधन

- पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न मंत्रालयों के डेटा का उपयोग करके इन पार्कों का स्थान चयन किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा है कि पार्क ऐसे स्थानों पर हों जहाँ प्राकृतिक संसाधन और कुशल श्रम आसानी से उपलब्ध हों। साथ ही, साझा सुविधाओं (जैसे टेस्टिंग लैब और ट्रेनिंग सेंटर) से एमएसएमई (MSMEs) का खर्च भी कम होगा।

निष्कर्ष और आगे की राह:

'भव्य' (BHAVYA) योजना भारत के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है। हालाँकि, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि राज्य सरकारें कितनी तेजी से भूमि उपलब्ध कराती हैं और 'सिंगल विंडो क्लियरेंस' वास्तव में कितनी प्रभावी होती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाता है, तो यह न केवल 'मेक इन इंडिया' को सफल बनाएगा, बल्कि भारत की रसद लागत को भी वैश्विक मानकों (जीडीपी के 8-9%) तक लाने में मदद करेगा।

IAS-PCS Institute

(स्रोत: द हिन्दू)

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण तथ्य:

विषय	संबंधित तथ्य/व्याख्या
1. योजना का नाम	भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA)
2. नोडल विभाग	उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
3. उद्देश्य	देश भर में 100 भविष्य के लिए तैयार 'प्लग-एंड-प्ले' औद्योगिक पार्कों का विकास
4. कुल बजटीय आवंटन	₹33,660 करोड़
5. योजना की अवधि	वित्त वर्ष 2026-27 से शुरू होकर अगले 6 वर्षों तक
6. कार्यान्वयन चरण	पहले चरण में 50 पार्कों को स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।
7. न्यूनतम भूमि	सामान्य राज्यों में 100 एकड़; पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए 25 एकड़
8. अधिकतम भूमि	एक पार्क का आकार 1,000 एकड़ तक हो सकता है
9. केंद्रीय सहायता	केंद्र सरकार प्रति एकड़ ₹1 करोड़ तक का वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करेगी

Result Mitra रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

यूपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: भारत औद्योगिक विकास योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह योजना वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
2. इस योजना के लिए कुल 33,660 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
3. इसका मुख्य उद्देश्य देश भर में 100 'प्लग-एंड-प्ले' औद्योगिक पार्कों का विकास करना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न 2. 'प्लग-एंड-प्ले' औद्योगिक बुनियादी ढांचा मॉडल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. यह मॉडल विनिर्माण इकाइयों के लिए 'टाइम-टू-मार्केट' को कम करता है क्योंकि बुनियादी सुविधाएं पहले से तैयार होती हैं।
2. यह निवेशकों के लिए प्रारंभिक पूंजीगत व्यय की आवश्यकता को कम करता है।
3. यह मॉडल केवल भारी उद्योगों के लिए ही प्रभावी है और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए अनुपयुक्त है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न: "भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA) के तहत प्रस्तावित 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं है, बल्कि यह भारत के विनिर्माण क्षेत्र में 'समय और लागत' की अक्षमताओं को दूर करने की एक संरचनात्मक रणनीति है।" समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। **(शब्द सीमा: 150)**